आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 24.08.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास पर प्रकाश डाला।
- शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्कूल सुरक्षा और सुरक्षा दिशा–निर्देश–दो हजार इक्कीस लागू करने का निर्देश दिया है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को सुबह ग्यारह बजे आकाशवाणी पर 'मन की बात' कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे।
- सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए परिवहन विभाग की ओर से कई कदम उठाए गए हैं।

<><><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन– इसरो ने न केवल अंतरिक्ष के क्षेत्र में बल्कि देश के सामाजिक–आर्थिक विकास में भी अमूल्य योगदान दिया है। कल नई दिल्ली में देश के प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्रगति से स्वास्थ्य, परिवहन, पर्यावरण, ऊर्जा सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी और कई अन्य क्षेत्रों को लाभ पहुंचा है।

<><><><><><><><>

मॉडल स्कूल सीतानगर में कल राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। पिछले साल इसी दिन चन्द्रमां पर अपना चन्द्रयान–तीन मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। प्रमुख संगठन इसरों के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के योगदान से कई कार्यकम आयोजित किए जा रहे हैं। पिछले तीन दिनों के दौरान स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए। कल आयोजित क्वीज़ प्रतियोगिता में सात राउंड के बाद आकाश दास, नन्दिता हीरा, तुषार ओझा और सुमित मण्डल की टीम विजेता रही, जबकि प्रीतम सुतार, बिक्षिता सूत्रधर, यास्मिन बानू और विवेक सनातनी की टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यकम का संचालन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने चन्द्रयान–तीन और अंतरिक्ष अन्वेष्ण पर स्वनिर्मित लघु रीले प्रस्तुत की। कल समापन अवसर पर स्कूल के प्राचार्य बलबीर सिंह ने छात्रों से विज्ञान से संबंधित गतिविधियों

में अधिक से अधिक शामिल होने और विज्ञान विषय में अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने द्वीपों के डॉ. एस. वेनु गोपाल का उदाहरण देते हुए अपना कैरियर चनने के लिए प्रोत्साहित किया।

<><><><><><><>

शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्कूल सुरक्षा और सुरक्षा दिशा–निर्देश–दो हजार इक्कीस लागू करने का निर्देश दिया है। दिशा–निर्देश मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम दिशा–निर्देशों के अनुरूप विकसित किए गए थे। इनमें सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रबंधन की जवाबदेही तय करने के प्रावधान हैं।

<><><><><><><>

अंडमान क्रिस्चियन यूनाईटेड फ्रंट की ओर से आज द्वीपों के विभिन्न स्कूलों से दसवीं कक्षा के सर्वश्रेष्ठ दस बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव केशव चन्द्र मुख्य अतिथि होंगे, जबकि सांसद बिष्णु पद रे सम्माननीय अतिथि होंगे। कार्यक्रम आज शाम पांच बजे फीनिक्स–बे स्थित टी एस जी एम्राल्ड में आयोजित होगा।

<><><><><><><>

विश्व ओज़ोन दिवस सोलह सितम्बर को मनाया जाएगा। इस सिलसिले में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा सेव ओज़ोन लेयर विषय पर वर्चुअल मोड पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थी बारह सितम्बर तक अपने पोस्टर दिए गए व्हाट्सऐप नम्बर पर भेज सकते हैं। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण और ई आई ए सी पी की ओर से भी विश्व ओज़ोन दिवस विषय पर ऑनलाइन चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी, शिक्षक और रिसर्च स्कोलर्स अपनी चित्रकारी को दिए गए मेल पर दस सितम्बर तक भेज सकते हैं।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को सुबह ग्यारह बजे आकाशवाणी पर 'मन की बात' कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे।. यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की एक सौ तेरहवीं कड़ी होगी। कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन के समूचे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज ऑन. ए. आई. आर. मोबाइल ऐप पर प्रसारित किया जाएगा।

<><><><><><><>

सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए परिवहन विभाग की ओर से कई कदम उठाए गए हैं। विम्बर्लीगंज पंचायत के सामुदायिक भवन में सड़क सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिवहन सचिव विश्वेन्द्र ने सड़क का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों से यातायात नियमों का पालन करने को कहा, ताकि सड़के सभी के लिए सुरक्षित हो सके। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिदिन औसतन सड़क दुर्घटनाओं में चार सौ लोगों की जान जाती है, जो एक चिंता का विषय है और इसे कम करने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए उच्चतम न्यायालय ने देश में दैनिक आधार पर सड़क सुरक्षा परिदृश्य को देखने के लिए एक समिति का गठन किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों द्वारा दी जा रही सेवाओं का लाभ लोगों के घरों तक पहुंचे, इसके लिए प्रशासन की ओर से कदम उठाए गए हैं। इस जागरूकता कार्यक्रम के जरिए लोगों को उनके क्षेत्र में ही परिवहन विभाग से जुड़ी सेवाओं का लाभ दिया जा सके। परिवहन निदेशक डॉ. जतिन्दर सोहल ने सभी से अनुरोध किया कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और सुरक्षित वाहन चलाए, ताकि राहगीरों और अन्य लोगों को कोई समस्या न हो। इस अवसर पर विम्बर्लीगंज से ज़िला परिषद सदस्य और परिवहन विभाग के उप–निदेशक ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

<><><><><><><>

पोर्ट ब्लेयर के अनिम्स कॉलेज में अकादमिक सत्र दो हजार चौबीस–पच्चीस में प्रवेश के लिए सत्ताईस और अट्ठाईस अगस्त को परामर्श रखा गया है। योग्य उम्मीदवारों की अंतिम योग्यता सूची कॉलेज के सूचना पट्ट पर दर्शा दी गई है। पहले चरण में कुल सत्तानब्बे सीटों के लिए राज्य कोटा सहित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए परामर्श रखा गया है। उम्मीदवारों को अपने मूल दस्तावेजों के साथ दिए गए समय सारणी के अनुसार अनिम्स के लेक्चर हॉल–दो में उपस्थित रहने को कहा गया है।

<><><><><><><>

शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षा शिक्षक, लाइब्रेरियन ग्रेड–दो, क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर और जी टी टी फाइन आर्ट्स के खाली पड़े पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। विभाग की भर्ती प्रकोष्ठ की ओर से प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद पात्र उम्मीदवारों को मिले अस्थाई अंक सूची के साथ अयोग्य उम्मीदवारों की सूची शिक्षा विभाग के आधिकारिक वेबसाइट पर दावे और

आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए अपलोड कर दी गई है। तीस अगस्त की मध्यरात्रि तक दावे और आपत्तियां जमा की जा सकती है।

उधर, अंडमान निकोबार राज्य खेल परिषद में अनुबंध के आधार पर कोचेस की भर्ती के लिए योग्य और अयोग्य उम्मीदवारों की अस्थाई सूची जारी कर दी गई है। दावे और आपत्तियां सात दिनों के भीतर जमा किए जा सकते हैं।

<><><><><><><><>

दक्षिण अंडमान उप–शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से अंतर स्कूल चेस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। जंगलीघाट स्कूल में आयोजित चैम्पियनशिप में विवेकानन्द केन्द्र विद्यालय लम्बा लाईन के दिनेश कुमार को विजेता और मॉडल स्कूल के यशवंत को उप–विजेता घोषित किया गया है।

<><><><><><><><>

पोर्ट ब्लेयर के गुरू की रसोई ने शिक्षा विभाग के सहयोग से बाल दुर्व्यहार के खिलाफ बच्चों को संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। बच्चों को बाल शोषण के खिलाफ जागरूक करने के उद्देश्य से इस शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। गर्ल्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के सभागार में आयोजित शिविर में शिक्षकों को बाल दुर्व्यवहार के संकेतों की पहचान करने और बच्चों को इसके खिलाफ बोलने के लिए आवश्यकता पर बल दिया गया।

<><><><><><><><>